JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

'प्रो.. (डॉ.) ब्रजेश कुमार शर्मा

प्राध्यापक एवं अध्यक्ष शिक्षा विभाग, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय,रायसेन

''श्रीमती शालिनी गुप्ता

शोधार्थी रबीन्द्रनाथ टैगौर विश्वविद्यालय, रायसेन

सारांश

अध्ययन आदतें व्यक्ति को यह बताने में सहायक सिद्ध होती है कि वह जीवन में कितना सीखेगा, कितना कमायेगा और कितनी दूर जायेगा। प्रस्तुत शोध अध्ययन भोपाल जिले के सरकारी एवं गर–सरकारी उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों पर किया गया है। जिसमें सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों से 100 विद्यार्थी एवं गैर–सरकारी माध्यमिक विद्यालयों से 100 विद्यार्थियां का चयन शोध अध्ययन हेतु किया गया। सरकारी एवं गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श पद्धति द्वारा किया गया है।...शोध का मुख्य उद्देश्य है– "सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन करना"। विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों के मापन हेतु जैदका द्वारा निर्मित मानकीकृत उपकरण अध्ययन आदत मापनी का उपयोग किया गया।...शोध के परिणाम में पाया गया कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन आदत में सार्थक अन्तर नहीं होता है।

विशिष्ट शब्दावली. अध्ययन आदतें एउच्च माध्यमिक विद्यालय

प्रस्तावना

यूनिसेफ 1998 ने शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि शिक्षा बच्चों को बड़ा होने पर सारी जिंदगी विभिन्न स्रोतों से जानने सीखने की क्षमता देती है.... इससे दृष्टिकोण आधुनिक बनता है और परिवर्तन में विश्वास आता है । यह पुरानी व्यवस्था की कमियों की जगह नई व्यवस्था की खूबियों को अपनाने की प्रक्रिया में सहायता करती है। इस प्रकार शिक्षा मानव की अंतर्निहित शक्तियों के विकास में अपना पूर्ण योगदान देती है... शिक्षा को मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति का एक साधन माना गया है। यही कारण है कि आदिकाल से शिक्षा किसी ना किसी रूप में मनुष्य को प्रदान की जाती है। जॉन डयूवी के अनुसार जिस प्रकार शारीरिक विकास के लिए भोजन का महत्व है उसी प्रकार सामाजिक विकास के लिए शिक्षा का। अध्ययन की आदत सीखने के लिए विद्यार्थी का स्वयं समय प्रबंधन करना होगा और अपने लिए एक सारणी बनानी होगी, जिसके अनुसार वह निर्बाध रूप से

अध्ययन करे। अध्ययन आदतें व्यक्ति को यह बताने में सहायक सिद्ध होती है कि वह जीवन में कितना सीखेगा, कितना कमायेगा और कितनी दूर जायेगा। अध्ययन आदतें विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। क्रो एवं क्रो (2007) के अनुसार "अध्ययन की विषयवस्तु की एक नियोजित कार्यक्रम के रूप में व्याख्या की है।"

उत्कृष्ट शैक्षिक उपलब्धि प्रत्येक छात्र के लिए अध्ययन का एक अंतिम लक्ष्य है क्योंकि यह भविष्य में सफलता का आधा रास्ता प्रदान करती है। छात्रों को यह जानने की आवश्यकता है कि वह बेहतर शैक्षिक उपलब्धि कैसे अर्जित कर सकते हं। अच्छी अध्ययन आदतों के बिना विद्यार्थी सफल नहीं हो सकता है। सफल होने के लिए, छात्रों को पाठ्यक्रम की सामग्री को उचित रूप से आत्मसात करने, उसे पहचानने, उस पर चिंतन करने और उस जानकारी को लिखित और/या मौखिक रूप से स्पष्ट करने में सक्षम होना चाहिए। अधिगम शैलियों की पहचान करने से छात्रों को अपनी अध्ययन आदतों को अनुकूलित करने में मदद मिलेगी जिससे वे सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त कर सकं।

साहित्य समीक्षा : राबिया एवं अन्य (2017) ने विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों और शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन किया। अपने अध्ययन के लिए उन्होंने सियालकोट के शासकीय अल्लामा इक़बाल महिला महाविद्यालय और लड़कों का शासकीय तकनीकी महाविद्यालय के 270 विद्यार्थियों को स्तरीकृतप्रतिचयन द्वारा चयनित किया। काई स्क्वायर टेस्ट का उपयोग करके अध्ययन आदतों और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच संबंधों की जाँच की गई। परिणामों से पता चला कि अध्ययन आदतों और छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच महत्वपूर्ण सम्बन्ध है।

जाफरी एवं अन्य (2019) ने ईरान के कर्मनशाह में चिकित्सा विज्ञान के विद्यार्थियों में अध्ययन आदतों और शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंधों को जानने के लिए शोध कार्य किया। इस अध्ययन का उद्देश्य कर्मनशाह (ईरान) में चिकित्सा विज्ञान के छात्रों में शैक्षिक उपलब्धि औए अध्ययन आदतों की स्थिति के साथ इसके संबंधों की जाँच करना था। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ता ने कर्मनशाह यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज के 380 छात्रों का चयन किया। यादृच्छिक नमूना संग्रह विधि द्वारा नमूनों का संग्रह किया गया। अध्ययन आदतों का आकलन करने के लिए पालसने और शर्मा की स्टडी हैबिट इन्वेंटरी उपकरण का उपयोग किया गया। आंकड़ों का विश्लेषण वर्णनात्मक और अनुमानात्मक आंकड़ों द्वारा किया गया। परिणाम बताते है कि अध्ययन आदतों और शैक्षिक उपलब्धि के बोच सीधा और महत्वपूर्ण सम्बन्ध था।

शोध अध्ययन की प्रविधिः प्रस्तुत शोध अध्ययन भोपाल जिले के सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों पर किया गया है। जिसमें सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों से 100 विद्यार्थी एवं गर–सरकारी माध्यमिक विद्यालयों से 100 विद्यार्थिया का चयन शोध अध्ययन हेतु किया गया। सरकारी एवं गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श पद्धति द्वारा किया गया है।सरकारी एवं गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों के मापन हेतु जैदका द्वारा निर्मित मानकीकृत उपकरण अध्ययन आदत मापनी का उपयोग किया गया।प्रस्तुत शोध अध्ययन में जिन स्वतंत्र चरों का प्रभाव आश्रित चरों पर देखा गया है उनका विवरण निम्न है–स्वतंत्र चर – जिस चर पर प्रयोगकर्ता का पूर्ण रूप से नियंत्रण रहता है एवं जिसके कारण चरों के प्रभाव का अध्ययन प्रयोगकर्ता करना चाहता है, उसे स्वतंत्र चर कहा जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के स्वतंत्र चर ह –सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी।

आश्रित चर – आश्रित चर वह चर होता है, जिस पर स्वतंत्र चर का प्रभाव पड़ने पर व्यवहारिक परिवर्तन होता है तथा जिसका अध्ययन एवं मापन शोधकर्ता द्वारा किया जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के आश्रित चर हं – अध्ययन आदतें।

शोध के उद्देश्य : 1.सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

क्र.	चर	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी सारणी मान	परिकलित टी– मान	सार्थकता
1.	अध्ययन आदत	सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	116.0	24.5	1.97	2.81	सार्थक
		गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	106.4	22.50			
2.	अध्ययन मे एकाग्रता	सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	23.65	7.24	1.97	.242	असार्थक
		गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	23.87	5.5			
3.	अध्ययन में समझना	सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	22.62	14.2	1.97	2.98	सार्थक
		गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	18.12	5.06			
4.	अध्ययन मेंयोजना	सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	10.49	3.85	1.97	.440	असार्थक
		गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	11.16	14.7			
5.	अध्ययन में ई–संसाधनों का उपयोग	सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	13.65	4.41	1.97	.200	असार्थक
		गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	13.53	4.06			
6.	अध्ययन में परस्पर क्रिया या बातचीत	सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	12.00	3.35	1.97	.775	असार्थक
		गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	11.69	3.74			
7.	अध्ययन सेट	सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	12.08	3.35	1.97	3.91	सार्थक
		गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	11.69	3.74			
8.	अध्ययन में प्रबंधन	सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	13.61	3.71	1.97	4.42	सार्थक
		गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	100	11.10	4.28			

शोध की परिकल्पनाऐं:

परिकल्पना क्रं.1 .सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन आदत में सार्थक अन्तर नहीं है।
उप.परिकल्पना क्रं.1.1.सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है।
उप.परिकल्पना क्रं.1.2- सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में समझने में सार्थक अन्तर नहीं है।
उप.परिकल्पना क्रं.1.3.सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में अध्ययन में योजना में सार्थक अन्तर नहीं है।
उप.परिकल्पना क्रं.1.4.सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में ई–संसाधनों के उपयोग में सार्थक अन्तर नहीं है।
उप.परिकल्पना क्रं-1.5 .सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में परस्पर क्रिया या बातचीत में सार्थक अन्तर नहीं है।
उप.परिकल्पना क्रं.1.6.सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन सेट में सार्थक अन्तर नहीं है।
उप.परिकल्पना क्रं.1.8. सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में प्रबंधन में सार्थक अन्तर नहीं है।

आंकड़ों का विश्लेषण

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों के प्राप्तांकों का आवृति वितरण.

तालिका क्रं .4.01

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन आदतों क प्राप्तांका का टी– मान

1. सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का परिकलित टी मान 2.81 है जबकि ;कद्धि =198 के लिए .05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1.97 है। इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान अधिक है अर्थात् ;20़81झ1़97द्ध। इस प्रकार कह सकते हैं कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर है।

- सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में एकाग्रता का परिकलित टी मान .242 है जबकि ;कद्धि =198 के लिए ०05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1.97 है। इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान कम है अर्थात् (.242<1.97)। इस प्रकार कह सकते हैं कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है ।
- सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में समझने का परिकलित टी मान 2.98 है जबकि ;कद्धि =198 के लिए ०05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1.97 है। इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान अधिक है अर्थात् (2.98>1.97)। इस प्रकार कह सकते हैं कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में समझने में सार्थक अन्तर है ।
- सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में योजना का परिकलित टी मान .440 है जबकि ;कद्धि =198 के लिए .05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1.96 है। इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान कम है अर्थात् (.440<1.97)। इस प्रकार कह सकते हैं कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में योजना में सार्थक अन्तर नहीं है ।
- सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में ई–संसाधनों के उपयोग का परिकलित टी मान .200 है जबकि ;कद्धि =198 के लिए ०05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1.97 है।

इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान कम है अर्थात् (.200<1.97)। इस प्रकार कह सकते ह कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन ई–संसाधनों के उपयोग में सार्थक अन्तर नहीं है ।

- सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में परस्पर क्रिया या बातचीत का परिकलित टी मान .775 है जबकि ;कद्धि =198 के लिए ण्05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1.97 है। इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान कम है अर्थात् (.775<1.97)। इस प्रकार कह सकते है कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में परस्पर क्रिया या बातचीत में सार्थक अन्तर नहीं है ।
- सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन सेट का परिकलित टी मान 3.91 है जबकि ;कद्धि =198 के लिए ण्05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1ण्96 है। इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान अधिक है अर्थात् (3.91>1.97)। इस प्रकार कह सकते ह कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन सेट में सार्थक अन्तर है ।
- सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में प्रबंधन का परिकलित टी मान 4.42 है जबकि ;कद्धि =198 के लिए ण्05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1.97 है। इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान अधिक है अर्थात~ (4.42>1.97)। इस प्रकार कह सकते है कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में प्रबंधन में सार्थक अन्तर है ।

शोध के परिणाम .

परिकल्पना क्रं.1रू सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर नहीं है।

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर पाया गया।

उप.परिकल्पना क्रं-1.1रू सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है।

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

उप.परिकल्पना क्रं-1.2रू सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में समझन में सार्थक अन्तर नहीं है।

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में समझन में सार्थक अन्तर पाया गया।

उप.परिकल्पना क्रं-1.3रू सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में अध्ययन में योजना में सार्थक अन्तर नहीं है।

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में योजना में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

उप.परिकल्पना क्रं-1.4रू सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में ई–संसाधनों क उपयोग में सार्थक अन्तर नहीं है।

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में ई–संसाधनों के उपयोग में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

उप.परिकल्पना क्रं.1.5रू सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में परस्पर क्रिया या बातचीत में सार्थक अन्तर नहीं है।

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में परस्पर क्रिया या बातचीत में सार्थक अन्तर नही पाया गया।

उप.परिकल्पना क्रं.1.6ः सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन सेट में सार्थक अन्तर नहीं है।

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में सेट में सार्थक अन्तर पाया गया।

उप.परिकल्पना क्रं-1.7रू सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में प्रबंधन में सार्थक अन्तर नहीं है।

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन में प्रबंधन में सार्थक अन्तर पाया गया।

व्याख्या.

छात्रों को उपयुक्त मार्गदर्शन प्रदान करने और कमजोरियों की भरपाई करने और सुदृढ़ बनाने के लिए रणनीति विकसित करने में उनकी पसंदीदा अधिगम शैलियों को जानने से मदद मिलती है। नीति–निर्माताओं को पाठ्यक्रम के संबंध में आगे की नीति निर्माण करने, शिक्षण सहायक सामग्री की रूपरेखा बनाने और कक्षा के वातावरण में सुधार के उपाय करने के लिए अध्ययन के परिणाम से लाभ प्राप्त होगा।....अध्ययन आदतें विभिन्न कारकों से प्रभावित हो सकती हैं जैसे छात्र की आयुए घर का माहौलए अध्ययन सामग्रीए टेलीविजन और कम्प्यूटर गेम ए दृढ़ संकल्प और आकांक्षाए माता–पिता की वित्तीय और आर्थिक स्थिति एस्कूलों का नियमए शिक्षकों की शिक्षण शैलीए स्कूलों में कुछ गतिविधियाँए पुस्तकालय की उपलब्धताए मित्रए छात्रों के माता–पिता की शैक्षिक पृष्ठभूमिसहायक होती है। जॉन (2010) के अनुसार, खराब अध्ययन आदतें, नकारात्मक या अनुत्पादक अध्ययन आदतें है जो छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन के लिए अवांछनीय और प्रतिकूल हैं। जब इन खराब अध्ययन आदतों को छात्र के द्वारा सभी स्तर पर विकसित और उपयोग किया जाता है, तो ये छात्रों की प्रगति और अकादमिक प्रदर्शन में बाधा उत्पन्न करती है। प्रत्येक छात्र की अपनी खासियत और विशिषटता के कारण, उनकी अध्ययन आदतें भी विशिष्ट होती हं। सकारात्मक या अच्छी अध्ययन आदतों की पहचान किया जाना आवश्यक है, जिसे अपनाकर छात्र अपने शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ :–

1- Jafari H, Aghaei A, Khatony A. Relationship between study habits and academic achievement in students of medical sciences in Kermanshah-Iran. Adv Med Educ Pract. 2019;10:637-643
https://doi.org/10.2147/AMEP.S208874

2- Rabia, M., Mubarak, N., Tallat, H., & Nasir, W. (2017). A Study on Study Habits and Academic Performance of Students. International journal of Asian social science, 7, 891-897.

3- Kumar,S. (2015) . Study Habits Of Undergraduate Students. International Journal of Education and Information Studies.
5, 17-24 © Research India Publications
http://www.ripublication.com